

13 6 / 18

पञ्जाब लो. वि. म. कोर्ट. उच्चली कलां में  
 री. करी गई। अधिवक्ता गणपत प्रसाद का  
 दायरे में उध। राजी नामा पेश किया राजी  
 नामा दोनों पक्षों को पढ़कर सुनाया। पुनः  
 समझ सही मानकर अपने अपने दलील  
 अंगूठे विधे। वि. वादी की पहचान की काल  
 कि अब व प्रतिवादी मणकी पहचान की  
 महावी. प्रसाद. कर्म. अब. नै. की राजी  
 नामा पेश किया होना शामिल मिलल है।  
 का निदान तदीक व नामान्तरण का  
 प्रमाण का पुनः प्रति. जमानती मकल  
 पेश की शामिल रहे। वादी द्वारा प्रतिवादी  
 संख्या 1 के पिता मूल नाम के नाम

राजी  
 वादी की पहचान  
 मेरे द्वारा की  
 गई  
 13. 6. 18

उज्ज्वल  
 RTI जारी  
 RTI विपरीत

18/6/18

प्रमाण

सदस्य  
 लोक अदालत  
 दिल्ली

M

सदस्य  
 लोक अदालत  
 दिल्ली

च

सदस्य  
 लोक अदालत  
 दिल्ली

नामान्तर कण ६३ की प्रमाणित प्रतिकेस की  
जिससे विशालन सभ्य विहोना साखित  
है। बाकी द्वारा पैदा जम्बवरी नामान्तरकृत  
नकल, बागीलान तद्विक राजीमना के बाप्याश  
पर बाहवादी साखित होने के डिग्री विधा  
जगता है) निर्यपि ठलगा से लिखववाण  
पत्र) डिग्री ठलगा से पारी हो कर सामिल  
मिलल हो। पगावली पैलल शुभा हो। निपमा  
पुकार भुलक जमा होने पर नकल डिग्री  
जाती हो। पगावली पैलल शुभा होकर  
नकल से कमी पत्र दापिल रफ्तग हो।